भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्ना सं. **1976**जिसका उत्तेर

गुरुवार,10 दिसंबर, 2015/19 अग्रहायण, 1937 (शक) को दिया जाना है

सागरमाला परिियोजना

1976. श्री विद्युत महतो :

श्री दुष्यंत चौटाला :

क्या **पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्याय सरकार ने पोत- नीति आर्थिक विकास और तटीय आर्थिक क्षेत्रों के रूप में संभावित भौगोलिक क्षेत्रों की पहचान के लिए सागरमाला परिियोजना आरंभ की है/ आरंभ करने का प्रस्ता व है

(ख) यदि हां, तो तत्संआबंधी ब्यौ रा क्या है और सागरमाला परिियोजना के लिए पहचान किए गए पत्तखनों की संख्या कितनी है

(ग) क्या सरकार का प्रस्तापव तटरेखा के साथ-साथ सस्तेक, गैर-प्रमुख पत्तलन स्था पित करने का है और यदि हां, तो तत्सं बंधी ब्यौ रा क्याीअहै

(घ) क्या, इस कदम से पत्तंनों पर माल ढुलाई संचालन के अर्थों में अतिरिक्तस क्षमता के साथ तटीय पोत परिवहन को प्रोत्साइहन मिलेगा और यदि हां , तो तत्संअबंधी ब्यौहरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में अन्यक क्याा कदम उठाए गए हैं/प्रस्तामवित हैं

उत्तरर

पोत परिवहन राज्यस मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णान्)

(क): जी, हाँ ।

(ख) से (घ) : पत्तन उन्मुखी विकास में पत्तन उन्मुखी औद्योगिकीकरण , पत्तन पर आधारित शहरीकरण, मौजूदा पत्तनों का आधुनिकीकरण तथा पत्तनों का विकास , मौजूदा तथा भविष्य की परिवहन परिसंपत्तियों का ईष्टततम उपयोग तथा परिवहन में लिए नए मार्ग/संयोजनों का विकास करना (इनमें सड़क, रेल, अंतर्देशीय जलमार्गतथा तटीय मार्ग शामिल हैं) , तटीय पर्यटन, मनोविनोद गतिविधियाँ, छोटा समुद्री नौवहन, तटीय नौवहन, पोत निर्माण, पोत मरम्मटत़ पोत पुन:चक्रियकरण, लॉजिस्टिक्सं पार्क, भंडारण, समुद्री ज़ोन/सेवाएँ आदि शामिल हैं । सागरमाला परियोजना के एक भाग के रूप में एक राष्ट्रीपय परिप्रेक्ष्यत योजना (एन पी पी) तैयार की गई है जिसमें तटीय आर्थिक ज़ोन (सी ई ज़ेड) के रूप में संभाव्य् युक्तर भौगोलिक क्षेत्रों की पहचान किया जाना , तटरेखा के समानांतर महापत्तमनों तथा गैर महापत्त्नों की पहचान करना तटीय नौवहन आदि शामिल हैं ।

*****